>

Title: Need to develop adequate tourist facilities in Aurangabad, Maharashtra, to boost tourism in the region.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद): महाराष्ट्र के मेरे संसदीय क्षेत्र संभाजीनगर, औरंगाबाद को 52 गेटों का शहर कहा जाता है जहां प्राचीन इमारतें एवं ऐतिहासिक धरोहरे अपने अटूट इतिहास का बयान करती है। मेरे इस संसदीय क्षेत्र में हिन्दू, मुस्लिम एवं बौद्ध संस्कृति का अनुपम समन्वय देखने को मिलता है। अजन्ता एवं एलौरा की गुफाएं पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। जायकाबाड़ी डैम और बीबी का मकबरा इस जिले में स्थित है। गुफाओं में बौद्ध कलाकृति एवं अदभुत गौतम बुद्ध की मूर्तियां अहिंसा एवं शांति का संदेश दे रही है। इन गुफाओं में जापान एवं एशिया के अन्य हिस्सों के लोगों के बीच भारी श्रद्धा के चलते वहां से काफी संख्या में पर्यटक आते हैं। दौलतबाद का देवगिरी किला, हिन्दुओं के कई प्रसिद्ध मंदिर जिनमें, भद्रा मारूति मंदिर, सुलीभंजन के भगवान दत्त का मंदिर एवं 12 ज्योतिर्लिंग में एक ज्योतिर्लिंग एलोरा का श्री छापेधर देवालय इसी औरंगाबाद में स्थित है। औरंगाबाद का मौसम हर माह लोगों के अनुकूल होता है। इसे देखने के लिए विश्वभर के पर्यटक आते हैं परंतु यहां पर पहुंचने के लिए उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। देश में औरंगाबाद के ऐतिहासिक धरोहरों की महत्ता को देखते हुए पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जो नहीं मिल पा रहा है और यहां पर आने-जाने के लिए एक-दो रेलगाड़ियां हैं। यहां से वायुयान सेवा को कई अन्य शहरों से जोड़ा जाना चाहिए और पर्यटन की सुविधा को बढ़ाना चाहिए। पर्यटन की आवश्यक सुविधा यहां पर न के बराबर है।

पूरे भारत में महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में पर्यटन के विकास की काफी संभावनाएं मौजूद हैं और इससे काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है। सरकार ने इन संभावनाओं के आधार पर कोई विशेष काम नहीं किया है जिसके कारण जितना पर्यटन यहां विकसित हो सकता है उतना नहीं हो पा रहा है। अतः सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में पर्यटन की संभावनाओं को भरपूर उपयोग किया जाए।